हिन्दी

एक निष्पक्ष खोज

आसाराम बापू

खतरा या साजिश

खोजकर्ता : राजेश शर्मा व अन्य

पॉक्सो का आरोप सच या झूठ ? कौन थी बुर्केवाली ? आश्रम में काला जादू का रहस्य ? संत आसाराम बापू का साम्राज्य व करोड़ों शिष्य कैसे बने ? ईसाई धर्मान्तरण का क्यों करते हैं विरोध ? जान से मारने की धमकी किसने दी ? कौन किस पर कर रहा है षड्यंत्र ? जेल की कहानी... ! किसकी हानि ?

आसाराम बापू द्वारा विरोध

ॐ ॐ... की गर्जना
से निर्दोष शंकराचार्य
पर हो रहे षड्यंत्र को
नेस्तनाबूद कर दो।

रात को सोते लोगों
पर लाठियाँ बरसाना
कितना बड़ा जुल्म है!
सरकार बाज आये।

साध्वी प्रज्ञा को
अनर्गल निशाना
बनाया तो
अनशन करूँगा।

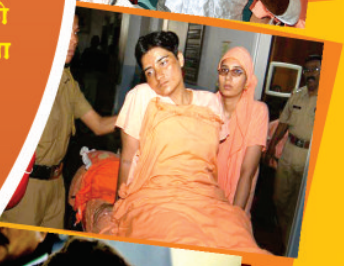

राहुल तो
अभी बबलू है।

मैडम
भारत छोड़ो!

पाश्चात्य संस्कृति

धर्मान्तरण

गौहत्या

आसाराम बापू की असलियत

कौन हैं आसाराम बापू... ?

हमेशा विवादों में घिरे रहनेवाले संत आसाराम बापू आजकल सलाखों के पीछे हैं। उन्होंने सन् १९९५ तक भारत सहित विदेशों में भारतीय संस्कृति का प्रचार-प्रसार किया। सन् १९९५ के बाद भारत में इनका प्रचार-प्रसार तेजी से बढ़ा। सम्पूर्ण भारत में जगह-जगह खूब सत्संग होने लगे। बड़े-बड़े पोस्टर, होर्डिंग्स् लगने लगे। टीवी चैनलों, रेडियो आदि पर इनका प्रसारण तेजी से शुरू हुआ।

इनके सत्संगों में मंत्री, मुख्यमंत्री, उद्योगपति व फिल्मी जगत की बड़ी-बड़ी हस्तियाँ आने लगीं। लोग विभिन्न मत, पंथ, सम्प्रदाय आदि छोड़कर इनके पास आने लगे। जगह-जगह इनके आश्रम व समितियाँ बनने लगीं। वर्तमान में इनके ४५० आश्रम, १४०० समितियाँ कार्यरत हैं व ५ से ६ करोड़ शिष्य होने का अनुमान है।

॥ आरोप ॥		॥ नतीजा ॥
➥ आश्रम में तांत्रिक		➥ सुप्रीम कोर्ट से क्लीनचिट
➥ बुर्केवाली से छेड़छाड़		➥ बुर्केवाली फर्जी निकली
➥ अघोरी से तांत्रिक करवाना		➥ अघोरी फर्जी निकला
➥ युवती से छेड़छाड़		➥ मेडिकल रिपोर्ट में क्लीनचिट

❖ **विरोधी संत आसाराम बापू** : संत आसारामजी ने अपने सत्संगों से अध्यात्म, भारतीय संस्कृति व स्वदेशी का प्रचार-प्रसार तो किया लेकिन पाश्चात्य कल्चर व ईसाई धर्मान्तरण का जमकर विरोध किया। धर्मान्तरण रोकने के लिए इन्होंने चल-चिकित्सालय, भजन-मंडली, राशनकार्ड, 'भजन करो, भोजन करो, पैसा पाओ योजना' जैसी विभिन्न योजनायें चलायीं। इन्होंने सामाजिक कुरीतियों का पुरजोर विरोध किया। वेलेन्टाइन डे व क्रिसमस डे के दिन नये पर्व शुरू करवा के ईसाई मिशनरियों से दुश्मनी खुद पैदा की।

❖ **मिशन के तहत जेल** : संत आसारामजी ने शुरू से ईसाई धर्मान्तरण,

विदेशी कम्पनियों व राजनेताओं द्वारा लूट व शोषण के खिलाफ लोगों को जाग्रत किया। जिससे इन लोगों ने संत आसारामजी को रोकने के कई बार प्रयास किये तथा जमकर विरोध करने लगे। विरोध करने के लिए इन लोगों ने संत आसारामजी के खिलाफ मीडिया का दुरुपयोग व आश्रम से निकले हुए कुछ बगावती लोगों को साथ लेकर इनके खिलाफ अभियान छेड़ दिया।

सन् २००२ से इन लोगों ने **'बापू रोको अभियान'** चलाया। लेकिन कई बार असफल होने के बाद राजनेताओं से साँठ-गाँठ कर सन् २००८-०९ में इनके गुजरात के आश्रमों पर धावा बोला लेकिन पूर्ण सफलता नहीं मिली। इसके बाद से **'बापू जीरो मिशन'** चलाया जा रहा है। जिसके प्रथम चरण में संत आसारामजी व उनके पुत्र नारायण साँईं को जेल में डाला गया है।

❖ **संत आसारामजी को जेल भेजना बहुत जरूरी था** : IBMR रिपोर्ट के अनुसार 'भारत में किसी भी गरीब को ईसाई बनाने का खर्च दुनिया के किसी विकसित देश के मुकाबले ७०० गुना सस्ता है। भारत पोप के लिए सबसे सस्ता बाजार है।' संत आसारामजी के सत्संग व बढ़ते सेवाकार्यों से यह बाजार महँगा होता है। धर्मान्तरण में तेजी लाने के लिए संत आसारामजी को जेल भेजकर उनका प्रभाव कम करना बहुत जरूरी था।

❖ **चाकू, छुरा व गोलियों से भून दिया** : बापू के कई विरोधियों में से सात को गोलियों से भून दिया गया; जिसमें तीन मरे, चार बच गये तथा दूसरे एक के ऊपर तेजाब से व दूसरे दो के ऊपर चाकू से हमला किया गया।

मरने/मारनेवाली षड्यंत्रकारियों की टीम का एक सदस्य भोलानंद गुप्ता जो पुलिस के हाथों लगा, उसने सच्चाई बता दी कि हमारी टीम के लोगों का यह कहना था कि ''गुप्ताजी! देखो, आप फँसते हो या हममें से कोई भी अगर पकड़ा गया तो हम एक-दूसरे को गोली मार देंगे या चाकू से वार कर देंगे, ऐसा कुछ कर लेना अथवा हम करवा देंगे। फिर हम लोग केस बना के बापू पर डाल देंगे।'' होता भी ऐसा ही था, जब ऐसी कोई घटना होती तो बापू को दोषी बनाने की पूरी ताकत तो लगाई जाती थी तथा आश्रमवालों पर केस होता था।

संत आसारामजी का खतरनाक मिशन

❖ **धर्मान्तरण को रोकना** : संत आसारामजी व उनके शिष्यों द्वारा प्रतिवर्ष हजारों सत्संग कार्यक्रम, १२०० भजन-मंडली, प्रति माह १७ लाख 'ऋषि प्रसाद' व ३ लाख 'लोक कल्याण सेतु' पत्रिका का प्रकाशन तथा प्रति वर्ष ४००० संकीर्तन यात्रायें निकाली जाती हैं। उनके सैकड़ों आश्रमों में आयुर्वेदिक, होमियोपैथिक, एक्यूप्रेशर आदि की चिकित्सा की जाती है । गाँव-गाँव में गरीबों, आदिवासियों में निःशुल्क चिकित्सा-शिविर आयोजित होते हैं। कई चल-चिकित्सालय भी चलते हैं ।

ओड़िशा, गुजरात, मध्य प्रदेश,छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र आदि राज्यों के सबसे गरीब इलाकों में गरीबों, अनाश्रितों एवं विधवाओं के लिए बापू के आश्रम द्वारा राशनकार्ड दिये गये हैं, जिनके माध्यम से उनको हर माह अनाज व जीवनोपयोगी वस्तुएँ निःशुल्क दी जाती हैं। संत आसारामजी की 'भजन करो, भोजन करो, पैसा पाओ योजना' के तहत जिनकी आय कम है, खाली बैठे वृद्धों व परिवारजनों को सुबह से शाम तक भगवन्नाम-जप, सत्संग, कीर्तन करवाकर भोजन व पैसा (५० से ८० रुपये प्रतिदिन) दीया जाता है। संत आसारामजी ऐसी अनेकों योजनाएँ चलाकर ईसाई धर्मान्तरण को रोकते हैं ।

❖ **विदेशी कम्पनियों को उखाड़ फेंकना** : अगर बापूजी के चार करोड़ शिष्य व अनुयायी ५० सालों तक शराब व सिगरेट नहीं पीते हैं तो ३७ लाख ६४ हजार करोड़ रुपयों का शराब कम्पनियों को घाटा, २२ लाख ७२ हजार करोड़ रुपयों का सिगरेट कंपनियों को घाटा होता है ।

'वेलेन्टाइन डे' से जुड़े सप्ताह के दौरान फूल, ग्रीटिंग आदि विभिन्न उपहारों की बिक्री के कारोबार में भी करोड़ों रुपयों का नुकसान होता है । ऐसे ही गुटका, ब्ल्यू फिल्म, अश्लील सामान आदि बनानेवाली कंपनियों का भी यही हाल है। यदि इन सभी आँकड़ों को जोड़ा जाय तो कई सौ लाख करोड़ रुपये हो जाते हैं। इतने बड़े नुकसान की वजह संत आसारामजी हैं ।

❖ **पाश्चात्य संस्कृति को रोकना :**

➢ **नये त्यौहार बनाकर रोकना** : संत आसारामजी ने सन् २००७ से १४ फरवरी को **'वेलेन्टाइन डे'** की जगह **'मातृ-पितृ पूजन दिवस'** मनाना शुरू करवाया। इसका ऐसा प्रचार हुआ कि मानो 'वेलेन्टाइन डे' को उखाड़ने का तांडव शुरू हो गया हो। मलेशिया, ईरान, सउदी अरब, इंडोनेशिया आदि अनेक देशों ने वेलेन्टाइन डे पर प्रतिबंध लगा दिया। 'मातृ-पितृ पूजन दिवस' विश्वव्यापी हो गया है, जिससे ईसाई जगत में बहुत बड़ी खलबली मची है।

इस बाबा ने जेल में रहते हुए भी २५ दिसम्बर को **'क्रिसमस डे'** के ही दिन **'तुलसी पूजन दिवस'** के नये त्यौहार का प्रचार-प्रसार तथा २५ दिसम्बर से १ जनवरी तक **'विश्वगुरु सप्ताह'** अपने शिष्यों से शुरू करवाया। धर्मान्तरण करनेवाला ईसाई जगत बाबा के जेल में जाने के बाद भी परेशान है।

➢ **विभिन्न योजना चलाकर रोकना** : संत आसारामजी भारत में १७,००० निःशुल्क बाल संस्कार केन्द्र, ४० गुरुकुल, १ डिग्री कॉलेज तथा प्रति वर्ष ४००० संकीर्तन यात्राएँ, १५०० सत्संग कार्यक्रम, ४ लाख ८६ हजार भजन-संध्या कार्यक्रम तथा भारत में प्रति वर्ष २२०० 'विद्यार्थी उत्थान शिविर, २५ से २७ लाख विद्यार्थियों में 'दिव्य प्रेरणा प्रकाश ज्ञान प्रतियोगिता', २ लाख ५० हजार 'युवा संस्कार सभाएँ' व हजारों महिला उथान शिविरों आदि के माध्यम से पाश्चात्य कल्चर को भारत में फैलने से रोकते हैं।

❖ **संत आसाराम बापू की भविष्यवाणियाँ :**

➢ ३ दशक पूर्व पहली बार कहा भारत विश्वगुरु बनकर ही रहेगा।

➢ मनमोहन सिंह कुछ दिन और राज कर लें इसके बाद हमारे बच्चे राज करेंगे।

➢ हमारे आश्रम, समितियों व हमारे ऊपर झूठे आरोप व षड्यंत्र होगें, जिसके लिए आप सभी शिष्यों को तैयार रहना होगा (सन् २००४ में कहा था)।

➢ भारत को विश्वमानव की पीड़ा हरनेवाला बनाना है और बनेगा... ऐसी कई आत्माएँ प्रकट हो चुकी हैं। मेरे करोड़ों बच्चे भारत को विश्वगुरु बनायेंगे।

संत आसारामजी विवादों के बादशाह

❖ **गुरुकुल के दो बच्चों की मौत** : संत आसारामजी गुरुकुल अहमदाबाद के २ बच्चों की मृत्यु जुलाई २००८ को हुई। ९ नवम्बर २०१२ को सर्वोच्च न्यायालय ने एफ.एस.एल.(F.S.L.)रिपोर्ट, पोस्टमार्टम आदि कानूनी एवं वैज्ञानिक रिपोर्ट के आधार पर 'गुजरात उच्च न्यायालय' के फैसले को सही माना कि बच्चों के शरीर के अंगों पर मृत्यु से पूर्व की किसी भी प्रकार की चोट के निशान नहीं थे। कोई रासायनिक विष आदि नहीं पाया गया। दोनों बच्चों की मृत्यु साबरमती नदी में डूबने से हुई थी। तांत्रिक विधि के आरोपों को भी सर्वोच्च न्यायालय ने खारिज कर दिया।

❖ **आश्रम में काला जादू** : सी.आई.डी. क्राईम ब्रान्च के डी.आई.जी. श्री जी.एस. मलिक ने कई मीडिया कर्मियों, फोटोग्राफर, एफ.एस.एल. की एक बड़ी टीम तथा पुलिस बल के साथ आश्रम में छापा मारा। सारी प्रक्रिया के बाद पाया गया कि संत आसारामजी के आश्रम में काला जादू, टोना-टोटका, तांत्रिक विधि यह सब नहीं होता है।

❖ **बुरकेवाली का यौन-उत्पीड़न** : क्या कारण था कि बापू के विरोधी अमृत प्रजापति ने १४ अगस्त २००८ को अपनी पत्नी सरोज को ही मुसलमानी बुरखा पहनाकर बापू के खिलाफ मीडिया के सामने बुलवाया कि बापू ने हमारा यौन-उत्पीड़न किया। काफी छानबीन व पूछताछ के बाद सूरत (गुजरात) पुलिस ने पाया कि यह बापू को बदनाम करने का षड्यंत्र था।

❖ **जान से मारने की दी धमकी** : ८ अगस्त २००८ को षड्यंत्रकारियों (अमृत प्रजापति, राजू चांडक... आदि) ने अहमदाबाद आश्रम में फैक्स करके संत आसारामजी को जान से मारने की धमकी दी। फैक्स में लिखा था कि एक सप्ताह के अंदर ५० करोड़ रुपये दे दो, अन्यथा तुम और तुम्हारा परिवार जेल की हवा खाने को तैयार हो जाओ। हमारे पास बनावटी मुद्दे तैयार हैं। तुम्हें पैसों की हेराफेरी में, जमीन व लड़कियों के झूठे केसों में फँसायेंगे। षड्यंत्रकारियों ने यह बात स्वीकारी कि यह फैक्स हम लोगों ने किया व इसमें जो मोबाइल नम्बर और लैण्ड लाईन नम्बर लिखे हैं वह भी हम लोगों के ही हैं।

❖ **अश्लील विडियो बनाया** : इंडिया न्यूज चैनल का मुख्य सम्पादक दीपक चौरसिया, १२ दिसम्बर २०१३ को गुड़गाँव के एक परिवार के निजी पारिवारिक विडियो में १० वर्षीय मासूम बच्ची से छेड़छाड़ की एवं तोड़-मरोड़कर अश्लील विडियो बनाया और उसको बापूजी के साथ जोड़ा। अश्लील भाषा का प्रयोग कर उस विडियो को कई बार चैनल पर प्रसारित किया।

दीपक चौरसिया व इंडिया न्यूज चैनल के अन्य अधिकारियों के खिलाफ जीरो एफ.आइ.आर. दर्ज कर वही पॉक्सो की धारा लगाई गयी, जिस धारा के अंतर्गत संत आसारामजी आज तक जेल की सलाखों में है। चौरसिया के खिलाफ विभिन्न थानों में ७० से ज्यादा शिकायतें दर्ज हैं। दीपक चौरसिया के विरुद्ध कार्यवाही न करते हुए, उसे गिरफ्तार न करने के कारण १७ फरवरी २०१४ को 'सर्वोच्च न्यायालय' ने हरियाणा व उत्तर प्रदेश पुलिस को जवाब देने का नोटिस दिया था। कुल मिलाकर मामला ठंडे बस्ते में पड़ा है।

❖ **नेताओं व बड़ी हस्तियों की क्यों लगती थी भीड़ ?** : बापू के करोड़ों अनुयायी कहते हैं कि बापूजी एक दैवी शक्ति सम्पन्न-महापुरुष हैं। उनके आशीर्वाद से कई पुत्रहीनों को पुत्र, करोड़ों लोगों को आरोग्य, धन-सम्पदा, सत्ता आदि प्राप्त होता रहा है। इतने कम समय में बापूजी के करोड़ों शिष्य बनना व बहुत बड़े पैमाने पर सेवा-प्रवृतियाँ चलना एक महाआश्चर्य है।

बापूजी के शिष्य कहते हैं कि बापूजी ने परमात्मसत्ता के साथ एक होकर जो समाज उद्धार के कार्य किये वह इतिहास में चिरस्मरणीय रहेंगे। बापूजी का उद्देश्य है कि पूरा विश्व-मानव समुदाय स्वस्थ, सुखी व सम्मानित जीवन जिये। नेताओं का बापूजी से आशीर्वाद लेने व उनके उमड़ते शिष्यों के जनसैलाब को अपना चेहरा दिखाकर अपना वोट-बैंक बनाने के लिए छोटे-बड़े नेताओं की भीड़ व होड़ लगी रहती थी।

संत आसारामजी की जेल-कहानी

❖ **बुरी तरह मारा-पीटा** : संत आसारामजी पिछले कई वर्षों से ईसाई मिशनरियों, बहुराष्ट्रीय कम्पनियों और असामाजिक तत्त्वों के निशाने पर थे। शाहजहाँपुर (उ.प्र.) की (१८ वर्ष ८ दिन की) युवती से १५ अगस्त २०१३ को छेड़खानी का आरोप लगवाया गया। तथाकथित घटना जोधपुर (राज.) की है। युवती ने २० अगस्त २०१३ को रात्रि २:३० बजे कमला मार्केट थाना दिल्ली में एफ.आई.आर. दर्ज करायी। इसमें बडे नेताओं का हाथ होने की बात कही जाती है। पुलिस ने संत आसारामजी के खिलाफ पॉक्सो, ३७६ व अन्य धाराएँ लगाकर इनको इन्दौर आश्रम से ३१ अगस्त २०१३ की अर्धरात्रि को गिरफ्तार कर जोधपुर जेल में डाल दिया। जोधपुर शहर में इनके प्रेमी भक्तों के प्रवेश पर तत्कालीन सरकार द्वारा रोक लगा दी गई। वहाँ आ रहे भक्तों के जनसैलाब को पुलिस ने बुरी तरह मारा-पीटा।

❖ **टी.वी. का पर्दा फाड डाला** : समाचार चैनल के एंकरों ने चीख-चीख कर टी.वी. का पर्दा फाड डाला कि संत आसारामजी द्वारा बलात्कार करवाने के लिए लड़कियों की व्यवस्था उनकी धर्मपत्नी व उनकी पुत्री करती थी। लेकिन पता नहीं क्यों समाज ने इस बात को मानने से इन्कार कर दिया।

एस.आर.एस. के एक सर्वे के अनुसार 'संत आसारामजी के जेल जाने के बाद से इनके सभी आश्रमों में नये आनेवालों की भीड़ बढ़ी है। सन् २०१४ व १५ की गुरुपूर्णिमा के पर्व पर संत आसारामजी के सभी आश्रमों में ऐसे नये लोगों का जनसैलाब देखने को मिला जो इनके बारे में अनजान था। आज पूरे समाज में इनके प्रति लोगों का सद्भाव बढ़ा है।'

❖ **कोर्ट में बदला बयान** : संत आसारामजी पर बलात्कार का आरोप लगानेवाली सूरत की महिला ने गांधीनगर (गुज.) कोर्ट में एक अर्जी डालकर बताया कि उसने धारा १६४ के अंतर्गत (बापूजी के खिलाफ) पहले जो बयान दिया था वह कुछ लोगों के डर-भय के कारण दिया था। अब वह सत्य उजागर करना चाहती है।

'(संत आसारामजी पर) लगाया गया (बलात्कार का) आरोप मुझसे जबर्दस्ती दबाव में दिलवाया गया था जिसे मैंने कई बार इसका खुलासा पुलिस के सामने किया लेकिन पुलिस कुछ सुनने को तैयार नहीं थी। पुलिस कहती थी आपका बलात्कारवाला बयान ही माना जायेगा इसलिए मुझे मीडिया के सामने बोलना पड़ रहा है।'

❖ **लगाया कुम्भ मेला** : संत आसारामजी ने शुरू से ही हिन्दू संगठनों का समर्थन किया। जो लोग हिन्दू धर्म को छोड़कर ईसाई धर्म में चले गये थे, उनकी घर वापसी का भी मार्ग प्रशस्त किया। हजारों, लाखों की भीड़वाला गुजरात का शबरीकुम्भ, मध्य प्रदेश का नर्मदाकुम्भ आदि बड़े-बड़े आयोजन अपने मार्गदर्शन व उपस्थिति में आयोजित कर भारत में ईसाई धर्मान्तरणवालों की जड़ें हिला दीं।

❖ **घबराहट पैदा हुई** : संत आसारामजी के प्रचार-प्रसार में तेजी आने से इनके नये-नये आश्रम व समितियाँ भी तेजी से बनने लगीं। लोग संकीर्ण मान्यताओं को छोड़कर इनके साथ जुड़ने लगे। संकीर्ण मान्यताओंवाले समूहों में घबराहट पैदा होने लगी।

❖ **युद्ध किया** : ईसाई मिशनरियों के पास कितना धन है, यह उनको भी पता नहीं है। सन् १९८९ में विश्व में धर्मान्तरण के लिए १४,५०० करोड़ डॉलर खर्च किये। उस समय उनके फुल टाइम नौकर ४० लाख थे। १३ हजार पुस्तकालय था, २२ हजार मासिक प्रकाशन निकलते थे तथा १८९० रेडियो और टी.वी. स्टेशन उनके अपने थे। २ लाख ५० हजार पादरी विदेशी धर्म-प्रचारक थे और उनको तालीम देने के लिए ४०० संस्थाएँ थी। ऐसे ही इस्लाम के प्रचारक भी विपुल मात्रा में धन खर्च करके धर्मान्तरण में लगे थे। धर्मान्तरण के खिलाफ संत आसारामजी ने अकेले कई दशकों तक युद्ध किया। सनातन धर्म की रक्षा की एवं धराशायी मूल्यों तथा स्वाभिमान की पुनर्स्थापना की। बापू के पीछे चल रहे षड्यंत्र का यह मुख्य कारण है।

आसाराम बापू की जीवन-लीला

❖ **संत आसारामजी का बचपन :** संत आसारामजी का जन्म १ मई १९३७ को अखण्ड भारत के सिंध प्रांत के नवाबशाह जिले में सिंधु नदी के तट पर बेराणी गाँव में हुआ। इनके बचपन का नाम आसुमल था। पिता थाऊमल नगरसेठ थे व माँ महँगीबा बड़ी ही सुशील व पतिपरायण थीं। आसुमल का बचपन बड़ा दिव्य रहा। परिवार में इनके एक बड़े भाई, दो बड़ी बहन व एक छोटी बहन हैं। सन् १९४७ में भारत-पाक विभाजन के समय अहमदाबाद के मणिनगर में यह परिवार आ बसा। इनकी शिक्षा तीसरी कक्षा तक हुई। दस वर्ष की आयु में पिता का स्वर्गवास हो गया। बड़े होने पर इनके न चाहते हुए भी माता के दबाव में आकर शादी हुई लेकिन पत्नी लक्ष्मीदेवी को संयमी जीवन जीने का आदेश देकर उन्होंने ईश्वरप्राप्ति के लिए घर छोड़ दिया।

❖ **जंगल यात्रा :** आसुमल २३ फरवरी १९६४ को घर छोड़ आत्मसाक्षात्कार के लिए उत्तराखण्ड की गिरि-गुफाओं में विचरण करने लगे। दृढ़निश्चयी आसुमल के हृदय में था : 'हे ईश्वर ! तेरे स्वरूप का मुझे ज्ञान मिले।'

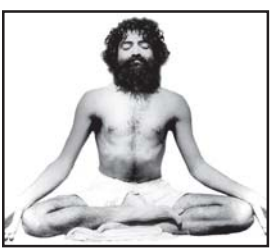

आसुमल कंटकाकीर्ण मार्ग पर चले, शिलाओं पर सोये, मौत का मुकाबला करते-करते नैनीताल के बीहड़ जंगल में जा पहुँचे। वहाँ बनी कुटिया में साँईं लीलाशाहजी के दर्शन हुए। जिन्होंने आसुमल को शिष्य रूप में स्वीकारा। गुरुद्वार पर कठोर कसौटियाँ हुईं। कुछ दिनों बाद ७ अक्टूबर १९६४ को वज्रेश्वरी (मुंबई) में सद्गुरुकृपा से आसुमल को आत्मसाक्षात्कार हुआ।

सद्गुरु साँईं लीलाशाहजी ने आसुमल का नया नाम आसाराम रखा। आत्मसाक्षात्कार के बाद आसारामजी ७ वर्ष तक डीसा (गुज.) व माउंट आबू की नल गुफा में रहे। वहाँ उन्होनें ध्यानयोग, ज्ञानयोग, लययोग, कुंडलिनी योग आदि की सिद्धियाँ प्राप्त कीं। योग सम्पन्न साँईं लीलाशाहजी ने आशीर्वाद दिया 'आसाराम ! तू गुलाब होकर महक तुझे जमाना जाने।'

❖ **संत आसारामजी का उद्देश्य** : सद्गुरु से आज्ञा व आशीर्वाद मिलने के बाद संत आसारामजी ने देश-विदेश में घूम-घूमकर सत्संग-सेवा करना आरम्भ किया। सन् १९७२ में अहमदाबाद में एक कुटिया बनायी, जो आज एक विशाल आश्रम के रूप में परिणत है, जिसकी शाखाएँ देश-विदेश में फैली हुई हैं। बापू के पास करीब २००० आश्रमवासी रहते हैं, जो स्वेच्छा से आजीवन समर्पित हैं और बिना किसी वेतन के निःस्वार्थ सेवा करते हैं।

संत आसारामजी को हिन्दी, गुजराती, सिन्धी, पंजाबी, मराठी, भोजपुरी, अवधी, राजस्थानी आदि कई भाषाओं का ज्ञान है। जीवन के लिए इनका सूत्र है 'स्वस्थ्य जीवन, सुखी जीवन व सम्मानित जीवन।' धर्म के बारे में वे कहते हैं : ''सारे धर्म उस परमात्मा की सत्ता से उत्पन्न हुए हैं और सारे के सारे उसी एक परमात्मा में समा जायेंगे। लेकिन जो सृष्टि के आरम्भ में भी था, अभी भी है और सृष्टि के अंत में भी रहेगा, वही तुम्हारा आत्मा ही सच्चा धर्म है। उसे ही जान लो, बस ! तुम्हारी सारी साधना, पूजा, इबादत और प्रार्थना सफल हो जायेगी।''

❖ **विदेश यात्रा** : संत आसारामजी ने विदेशों में भारतीय संस्कृति का प्रचार-प्रसार बड़े जोर-शोर से किया। सन् १९८४ में - शिकागो, सेन्ट लुईस, लास एंजिल्स, सैन्फ्रान्सिस्को, कनाडा, टोरेन्टो आदि।
सन् १९८६ में - पूर्वी अफ्रीका, लंदन, अमेरिका, कनाडा आदि।
सन् १९८७ में - इंग्लैण्ड, जर्मनी, स्विट्जरलैंड, अमेरिका व कनाडा।
सन् १९९१ में - दुबई, हाँगकाँग, सिंगापुर आदि।
सन् १९९३ में - हाँगकाँग, ताईवान, बैंकाक, सिंगापुर, इंडोनेशिया, न्यूजर्सी, न्यूयार्क, बोस्टन, आल्बनी, क्लिफ्टन, जोलियट, लिटलफोक्स।

सन् १९९३ के शिकागो में आयोजित 'विश्व धर्म संसद' के ६०० वक्ताओं में भारत से आये हुए संत आसारामजी का बहुत बोलबाला रहा। इनको तीन दिन घंटों-घंटों तक बोलने का समय दिया गया। लग रहा था कि मानों सन् १८९३ का दूसरा विवेकानंद प्रकट हो गया हो।

कुछ इधर की-कुछ उधर की

❖ **आरोप के बाद भी बापू भगवान** :

आसाराम बापू आज भी अपने शिष्यों के लिए भगवान की तरह हैं। तभी तो आरोप चाहे जैसे भी लगे हों लेकिन सज्जन व समझदारों की श्रद्धा कम नहीं हो रही है। बापू के भक्तों का तो यहाँ तक कहना है कि 'गंगा अपवित्र हो सकती हैं, चाँद में भी दाग हो सकता है लेकिन आसाराम बापू पूरी तरह निर्दोष हैं।'

- आईबीएन-७ न्यूज चैनल

बापू के शिष्य	उपयोग करते हैं	उपयोग से बचते हैं
बीमारी में	आयुर्वेदिक दवा	एलोपैथी दवा
खेती में	आयुर्वेदिक खाद	केमिकल युक्त चीज
पीने में	देशी गाय का दूध	जर्सी गाय का दूध
होली में	प्राकृतिक रंग	केमिकल युक्त रंग

❖ **युवती की मेडिकल रिर्पोट** :

जोधपुर मामले में संत आसारामजी पर आरोप लगाने वाली युवती की मेडिकल जाँच दिल्ली के लोकनायक अस्पताल में हुई। जिसकी रिर्पोट बताती है कि 'लड़की के शरीर पर रत्तीभर भी खरोंच के निशान नहीं थे और न ही प्रतिरोध के कोई निशान थे।' इसी बात को यहाँ के अस्पताल की गायनेकोलॉजिस्ट डॉ. शैलजा वर्मा ने अदालत में कहा।

❖ **वेश्या ने लिंग चबा डाला** : पेरिस (फ्रांस) में एक वेश्या ने इसलिए एक ईसाई पादरी का लिंग चबा डाला क्योंकि पादरी ने पूर्व निश्चित फीस नहीं चुकाई और अपने पादरी साथी सहित वेश्या से बार-बार यौनाचार किया। मई २००९ में प्रकाशित 'रायन रिपोर्ट' ने ९ वर्ष के अध्ययन के बाद यह निष्कर्ष निकाला कि ३०,००० बच्चों को ईसाई संस्थाओं में ईसाई ननों और पादरियों के द्वारा प्रताड़ित व शोषित किया जाता रहा। पादरियों द्वारा किये गये यौन-शोषण के अपराधों के लिए वर्तमान पोप बेनेडिक्ट को क्षमा-याचना करनी पड़ी थी। **('संतों पर अत्याचार व षड्यंत्र' पुस्तक से)**

यह क्या हो रहा है ?

सुब्रमण्यम स्वामी : आसाराम बापू के खिलाफ एफ.आई.आर. में जिससे प्रचार हुआ है कि रेप का चार्ज है। मैंने वह एफ.आई.आर. पढ़ी है व सारी चीजों को देखने से मुझे लगता है कि इनके खिलाफ केस बनता ही नहीं है। लड़की की मेडिकल जाँच में लिखा है कि एक भी स्क्रॅच नहीं है, रेप की तो बात ही छोड़िये।

सुरेश चव्हाण : वहाँ के डीसीपी ने भी कहा था कि 'रेप का आरोप ही नहीं है।'

सुब्रमण्यम स्वामी : हाँ, आरोप ही नहीं है ! एक झूठा सर्टिफिकेट पेश कर लड़की को नाबालिग बना दिया (बालिग होने के सर्टिफिकेट भी मिल रहे हैं)। और वो कहते हैं उसका ट्रायल चल रहा है, ट्रायल तो होता ही नहीं।

सुरेश चव्हाण (चेयरमैन सुदर्शन चैनल) : जिस आरोप के लिए तीन साल सजा हो सकती है, उसमें ढाई साल से उनको जेल में रखा है। (और वो ७८ साल के हैं।) जयललिता, सलमान आदि बाहर आ सकते हैं लेकिन इनको ?

सुब्रमण्यम स्वामी : जयललिता छोड़िये, मैं कहता हूँ कि तरुण तेजपाल, उसका तो सी.सी.टी.वी. ने सब बता दिया। उसको तीन महीने में बेल दे दिया। इनको ढाई साल हो गया। इसके पीछे कौन है मैं बता रहा हूँ... सोनिया गांधी के कहने पर गहलोत ने इस केस को किया। टेक्नीकली केस बनता नहीं है। केस को लम्बा खींच रहे हैं, दुनियाभर में बापू को बदनाम करने के लिए।

सुरेश चव्हाण : लेकिन अब तो दोनों जगह भाजपा की सरकार है।

सुब्रमण्यम स्वामी : वसुंधरा ! वो तो डरपोक है। मैंने उसे कहा भी 'व्हाट इस दिस नॉनसेंस' ये जो हो रहा है। वहाँ जो लड़की का वकील है उसके नाम से ही रेप का चार्ज है, असली रेप चार्ज। मैंने कहा यह क्या हो रहा है। मैं तो नहीं कह रहा कि इनको छोड़ दो, इनका केस वापिस कर दो पर बेल देने में क्या समस्या है ?

बापूजी के साथ बहुत बड़ा अन्याय हुआ है। उनका मूलभूत अधिकार बनता है जमानत पर बाहर आने का। बापूजी एक संत है, इनका बड़ा व्यापक भक्त-समुदाय है सारी दुनिया में, उनको बदनाम करना ! बड़ी गम्भीरता से विचारना चाहिए। जहाँ मुझे लगता है कि अन्याय हुआ है, वहाँ मैं लड़ूँगा।

नारायण साँईं की हकीकत

जेल की सलाखों के भीतर जीवन बितानेवाले नारायण साँईं कभी मॉरीसस के मुख्य अतिथि बनकर वहाँ के प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति आदि से सम्मानित होते थे। अमेरिका, अफ्रीका, इंडोनेशिया, इंग्लैण्ड, कनाडा, दुबई, हांगकांग, थाइलैण्ड, सिंगापुर, नेपाल आदि देशों में संत नारायण साँईं का सत्संग, सेवाकार्य व प्रभाव दिनोंदिन बढ़ता ही जा रहा था। विदेशों में अनेकों सेवाकार्य फैलाने के बाद ज्यों-ही इन्होंने भारत में अपना पैर जमाना शुरू किया, त्यों-ही षडयंत्रकारियों ने इन्हें अच्छी तरह जाल में फँसाकर जेल की सलाखों के पीछे पहुँचा दिया। फिर भी इन्होंने भारत में बहुत से आश्रम बनाये व बहुत सारे सेवाकार्य शुरू किये।

❖ **भगोड़ा नारायण साँईं** : गुजरात हाईकोर्ट ने नारायण साँईं के गैर जमानती वारंट व भगोड़ा घोषित करने के दोनों वारंट को रद्द कर दिया था। न्यायालय ने कहा 'नारायण साँईं शुरूआत से आखिर तक भगोड़ा थे ही नहीं, उन्हें भगोड़ा कहना बिल्कुल गलत है।' पानीपत 'सेसन कोर्ट' में पेशी के लिए चंडीगढ़ 'हाई कोर्ट' ने रोक लगायी थी फिर भी सूरत पुलिस 'हाई कोर्ट' की अवहेलना करते हुए दिनांक ८ फरवरी २०१६ को नारायण साँईं को पानीपत ले गयी और उन्हें करनाल जेल में रखा।

❖ **छेड़छाड़** : सूरत की एक महिला ने ६ अक्टूबर २०१३ को एक एफ. आई.आर. दर्ज कर नारायण साँईं के ऊपर छेड़छाड़ का आरोप लगाया। ७ अक्टूबर को नारायण साँईं को जान से मारने की कोशिश की गई। आरोप है कि इन्होंने १३ साल पहले इस युवती से छेड़छाड़ की। यही महिला आरोप लगाने के पहले तक इनको भगवान मानकर पूजती रही व इनके सत्संगों में आती रही।

❖ हमारे देश में संतों को बदनाम करने का एक षड्यंत्र चल रहा है। हिन्दू धर्म, संस्कृति को नष्ट करने के लिए गंदे-गंदे आरोप लगाते रहते हैं। हिन्दू धर्म के खिलाफ देश के भीतर वातावरण पैदा किया जा रहा है।

- श्री अशोक सिंघल, वि.हि.प.

जनता की आवाज

☞ आसाराम बापू को खड़े होकर हमने जेल में बंद करवाया । **- शरद यादव (जे.डी.यू. अध्यक्ष)**

☞ यदि मेरे पास कानून बनाने का अधिकार होता तो मैं धर्म-परिवर्तन बंद करवा देता । **- महात्मा गांधी**

☞ आसाराम बापू धर्मविरोधी अंतर्राष्ट्रीय षड्यंत्र के शिकार हैं । उन्होंने धर्म-परिवर्तन को रोका । इसलिए पिछली काग्रेंस सरकार ने उन्हें झूठे आरोप में फसाँकर कारागृह में भेजा। जिससे धर्म-परिवर्तन का कार्य बिना किसी रुकावट के किया जा सके **- यति बाबा नरसिंहानंद सरस्वती**

☞ धर्म-परिवर्तन करनेवालों का आसारामजी बापू ने डटकर मुकाबला किया गुजरात व अन्य क्षेत्रों में लालच देकर धर्म-परिवर्तन करने के प्रयास को विफल किया। वनवासियों की हिन्दू धर्म में वापसी करायी । **- सुब्रमण्यम स्वामी**

☞ अगर बापू जैसे संतों को जेल में डालकर बदनाम करने का षड्यंत्र होता रहा तो भारत की अस्मिता, संस्कृति सुरक्षित नहीं रह पायेगी । इसे सुरक्षित रखने के लिए सबको एक जुट हो के प्रयास करना होगा।

- शंकराचार्य श्री नरेन्द्रानन्द सरस्वती

☞ शंकराचार्यजी की गिरफ्तारी हो या आसारामजी बापू की, नारायण साँईं की हो या और संतों की, यह एक षड्यंत्र है ।

- जगद्गुरु श्री पंचानंद गिरि

☞ पूज्य बापूजी सारे देश में भ्रमण करके जागरण का शंखनाद कर रहे हैं, संस्कार दे रहे हैं। हमारी जो प्राचीन धरोहर थी, उसको हमारी आँखों में ज्ञान का अंजन लगाकर फिर से हमारे सामने रख रहे हैं । **- अटल बिहारी वाजपेयी**

☞ परम पूज्य असारामजी बापू की जीवनगाथा ज्ञात होने के उपरांत कोई भी व्यक्ति उनके चरणों में नतमस्तक होगा । **- डॉ. जयंत आठवलेजी**

☞ अब ऐसी स्थिति निर्माण हो गई है कि नेताओं को लोग चोर समझने लगे हैं। लोगों का नेताओं पर से भरोसा उठ गया है । लोग राजनीति को संदेह की दृष्टि से देखने लगे हैं । **- मनोहरलाल खट्टर, मुख्यमंत्री हरियाणा**

क्या हैं संत आसारामजी की विचारधारा ?

- सदैव सम व प्रसन्न रहना ईश्वर की सर्वोपरि भक्ति है ।
- किसी भी चीज को ईश्वर से अधिक मूल्यवान कभी मत समझो ।
- ईश्वर के सिवाय कहीं भी मन लगाया तो अंत में रोना ही पेड़ेगा !
- यदि समय का सदुपयोग किया जाय तो सब लोग महात्मा बन सकते हैं ।
- सब कुछ खोना पड़े तो खो देना, ईश्वर के अस्तित्व के प्रति श्रद्धा को कभी मत खोना ।
- सृष्टि कितनी भी बदल जाय फिर भी पूर्ण सुखद नहीं हो सकती जबकि दृष्टि जरा सी बदल जाय तो आप परम सुखी हो सकते हो ।
- हम जितना मूल्य संसार को देतें है, उतना मूल्य अगर ईश्वर को देवें तो सचमुच, फिर देर नहीं है, आप ईश्वर हैं ही।
- किस-किसको खुश करते फिरोगे ? एक भगवान को पा लो, गुरु के अनुभव को अपना अनुभव बना लो बस हो गई छुट्टी ।
- दुःख, विध्न-बाधाएँ तो सबके जीवन में आती हैं किंतु जो मुस्कराना जानते हैं उनके आगे वे साधना बन जाती हैं ।
- तुम अपने को दीन-हीन कभी मत समझो । तुम आत्मस्वरूप से संसार की सबसे बड़ी सत्ता हो । तुम्हें अपने वास्तविक स्वरूप में जागने मात्र की देर है ।
- उन्नति के शिखर पर पहुँचना है तो निराशा व दुर्बलता को तुरंत त्याग दो । दीन-हीन भयभीत जीवन को घसीटते हुए जीना भी कोई जीवन है। उखाड़ फेंको अपनी सब गुलामियों को कमजोरियों को ।
- बिध्न और बाँधाएँ, तुम्हारी सुषुप्त चेतना को, सुषुप्त शक्तियों को जागृत करने के शुभ अवसर हैं ।
- गौ और गीता विश्व को ईश्वर द्वारा प्रदत्त अमूल्य निधि हैं । इन दोनों का आश्रय लेकर मनुष्य स्वस्थ, सुखी व सम्मानित जीवन प्राप्त कर सकता है ।

कौन-किस पर कर रहा है साजिश ?

संत आसारामजी पर झूठा आरोप लगवाने के लिए लड़कियों को तैयार करनेवाले और इनके आश्रम में बच्चों के कंकाल रखवाने की साजिश रचनेवाले गिरोह के शातिर, मॉर्फिंग मास्टर सतीश बाधवानी को जम्मू पुलिस ने इंदौर से १९ फरवरी २०१६ को गिरफ्तार किया व १५ दिन की रिमांड ली।

सतीश बाधवानी व अन्य आरोपियों पर बापूजी के खिलाफ आरोप लगाने हेतु लड़कियाँ तैयार करके यौन-शोषण के झूठे मामले बनाने, उनके आश्रम में मुस्लिम कब्रिस्तान से निकाले हुए बच्चों के कंकाल गाड़ के फिर मीडिया में दिखाकर बापू के ऊपर हत्या के झूठे केस लगवाने की साजिश तथा हिन्दू-मुस्लिम दंगा करवाके आश्रम को सदा के लिए बंद करवाने की साजिश रचने आदि के लिए आरपीसी (रणबीर पीनल कोड) की २९५, २९५ए, २११, १९५, १९५ए, १५३ए, १२०बी, ३८३, १९४ इन संगीन आपराधिक धाराओं के तहत मामला दर्ज हुआ है।

❖ **६५ लड़कियों की अश्लील विडियो** : सन् २०१५ में ही पुलिस के हाथ लगे पंकज दुबे की जाँच के दौरान उसके मोबाइल रिकॉर्ड में ऐसे कई सबूत मिले जिनसे पता चला कि उसने सतीश बाधवानी, विनोद गुप्ता उर्फ भोलानंद व अन्य लोगों के साथ मिलकर संत आसारामजी व संत नारायण साँईं को फँसाने का षड्यंत्र रचा था। इनकी कॉल रिकॉर्डिंग भी पुलिस के पास बतौर प्रमाण उपलब्ध है। पंकज दुबे के पास से मोबाइल और लैपटॉप के साथ बरामद हुई लगभग ६५ लड़कियों की अश्लील विडियो क्लिप्स भी पुलिस के लिए पुख्ता प्रमाण हैं। पंकज दुबे ने पुलिस को यह भी बताया कि बापूजी को बरबाद करने के मकसद से उनके (षड्यंत्रकारियों के) बैंक खाते में एक राष्ट्रद्रोही संगठन के अकाउंट से पैसा ट्रांसफर हुआ था।

संदर्भ

* http://khabar.ibnlive.com/news/desh/aasaram-babu-asaram-case-witness-murder-attack-411044.html
* दैनिक दबंग दुनिया, हिन्दुस्तान टाइम्स * दैनिक भास्कर, ७ मार्च २००८ * हरिजन, ५ नवम्बर, १९३५ * The Hindu, 13 March, 2001 * साँईं सुदर्शनम्, मार्च २०१४ * सर्व धर्म समान ?
* ऋषि प्रसाद, अंक - २५६, २६९, २६३, २६०, २६५, २०९, २४०, २५२, २७९ आदि

तीसरी पढ़े बापू में ऐसा तो क्या है ?

श्री अटल बिहारी वाजपेयी

श्री चन्द्रशेखर

श्री नरेन्द्र मोदी

श्री लाल कृष्ण आडवाणी

श्री राजनाथ सिंह

श्री एच.डी. देवेगौड़ा

४५० आश्रम, १४०० समितियाँ

२००० युवा सेवा संघ

प्रति माह १७ लाख पत्रिकाएँ

१७,००० बाल संस्कार केन्द्र

४० गुरुकुल

११७ गौशालाएँ

जागो भारतवासी जागो !
आसाराम बापू को पहचानो !!

- संत आसाराम बापू का किससे विरोध ?
- बापू को जेल कौन भेजना चाहता था ?
- वेश्या ने किसका लिंग चबा डाला ?
- भारत विश्वगुरु बनकर ही रहेगा !
- नारायण साँईं की हकीकत आयी बाहर !
- बापू का साम्राज्य व उनका उद्देश्य क्या है ?
- धर्मान्तरण के विरोधी हैं संत आसाराम बापू।
- बापू के बारे में सुब्रमण्यम स्वामी क्या कहते हैं ?
- बापू के विरोधियों को किसने गोलियों से भूना ?
- संत आसारामजी का खतरनाक मिशन क्या है ?
- संत आसारामजी को जेल भेजना बहुत जरूरी था।
- आसारामजी क्यों करते हैं 'वेलेन्टाइन डे' का विरोध ?
- कैसे किया विदेशी कम्पनियों का अरबों-खरबों का नुकसान ?
- आश्रम में काला जादू व गुरुकुल के दो बच्चों की मौत का राज क्या है ?
- बुर्केवाली की सच्चाई ? अश्लील विडियो किसने बनाया ? जान से मारने की धमकी किसने दी ?
- बुरी तरह मारा-पीटा, टीवी का पर्दा फाड़ डाला, कोर्ट में बदला बयान, युद्ध किया। आसारामजी की जेल-कहानी...।

सर्व सहमति देश की जनता की... यह पुस्तक जनहित में जारी है। इसे कोई भी छपवा अथवा मँगवाकर बाँट सकता है। यह देश का सेवाकार्य कोई भी कर सकता है। पक्का देशभक्त देशहित में जरूर करेगा - हमें यह विश्वास है।

All legal proceedings shall be subject to the jurisdiction of the courts in New Delhi.

संस्कृति रक्षक संघ

आध्यात्मिक भारत निर्माण

मुख्यालय : शास्त्री नगर, दिल्ली-110031. फोन : 011-32674126

email: info@srsinternational.org www.srsinternational.org